RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार, 30 मार्च 2023 वर्ष 04 अंक 295 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

महाराष्ट्र पुलिस के हेड कांस्टेबल वैभव कदम ने की आत्महत्या, रेलवे ट्रेन पर दी जान

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र पुलिस के एक कांस्टेबल वैभव कदम ने खुदकुशी कर ली है. वैभव कदम का शव निलजे और तलोजा स्टेशन के बीच रेलवे पटरी पर मिला है. रेलवे पुलिस ने सुसाइड का मामला दर्ज किया है. पुलिस सिपाही कदम इंजीनियर अनंत कमूर्से पिटाई प्रकरण के दौरान पूर्व राज्य मंत्री एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड की सुरक्षा में तैनात था. अनंत करमुसे मामले को लेकर भी वैभव से पूछताछ और जांच चल रही थी. उनके आत्महत्या करने का कारण अभी पता नहीं चल सका है.

MVA की भविष्यवाणी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद

महाराष्ट्र में लागू होगा राष्ट्रपति शासन

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में 9 महीने पहले एक भूचाल आया था। जिसके बाद राज्य में सरकार बदल गई। महाराष्ट्र में अब शिंदे-फडणवीस सरकार का राज है। ऐसे में महाविकास आघाडी के कई नेता इस सरकार को लेकर बड़े दावे कर चुके हैं। ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने इस सरकार को लेकर कहा कि, यह कुछ दिनों की मेहमान है। वहीं, अब राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता जयंत पाटिल ने भी शिंदे-फडणवीस सरकार को लेकर बड़ा दावा किया है।

जयंत पाटिल ने कहा कि, यह सरकार गिरने के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाएगा। जयंत पाटिल ने कहा, ‘सुप्रीम कोर्ट के फैसले में अगर शिंदे गुट के विधायक अयोग्य ठहराए जाते हैं तो शिंदे-फडणवीस सरकार सत्ता में नहीं रह पाएगी। ऐसे में राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाएगा।

एनसीपी नेता ने कहा, अगर सुप्रीम कोर्ट के फैसले में अयोग्यता आ गई तो भी यह सरकार टिक नहीं पाएगी। अगर सरकार नहीं रहती है तो मुझे नहीं लगता कि कोई और विकल्प है। ऐसे में राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने की संभावना है। राष्ट्रपति शासन पर उनके बयान से राजनीति में शिंदे-फडणवीस सरकार को लेकर बहस छिड़ गई है। वहीं, दूसरी तरफ जयंत पाटिल के इस बयान पर संजय राउत ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि, जयंत पाटिल ने राष्ट्रपति शासन के संबंध में सही बयान दिया है। सब कुछ कानून के मुताबिक हुआ तो 16 विधायक अयोग्य हो जाएंगे। संजय राउत ने कहा है कि, ‘अगर एकनाथ शिंदे समेत विधायकों को अयोग्य ठहराया गया तो सरकार गिर जाएगी।

ममता बनर्जी को राहत देने से बॉम्बे HC का इनकार!

राष्ट्रगान के अपमान का मामला

मुंबई: राष्ट्रगान के अपमान वाले मामले में ममता बनर्जी को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है. उन्होंने अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की अर्जी पर पुनर्विचार की अपील को रद्द करने की मांग की थी. बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को नामंजूर कर दिया है. ममता बनर्जी पर आरोप है कि साल 2021 में मुंबई के यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम के एक कार्यक्रम में वे राष्ट्रगान के वक्त बैठी रह गई थीं. बीच में थोड़ी देर के लिए उठीं और दो लाइनें गुनगुनाकर चुप हो गईं. इससे राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम 1971 के तहत यह एक गुनाह है.

इस आधार पर बीजेपी के एक स्थानीय पदाधिकारी विवेकानंद गुप्ता यह शिकायत लेकर मुंबई के कफ पैरेड पुलिस स्टेशन पहुंचे. वहां जब उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो वे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड के पास गए. मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड की अदालत ने ममता बनर्जी के खिलाफ समन जारी किया. ममता बनर्जी इस समन को चुनौती देने के लिए स्पेशल एमपी/एमएलए कोर्ट पहुंची. एमपी/एमएलए कोर्ट ने साल 2023 में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेड अदालत से इस शिकायत पर पुनर्विचार करने को कहा. इसके बाद मजिस्ट्रेड की अदालत ने ममता बनर्जी की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ कार्रवाई को रोकने की मांग की थी.

नवी मुंबई में प्याज की कीमतों में आई भारी गिरावट...

APMC बाजार समिति ने दी नए रेट की जानकारी...

मुंबई : देश के सबसे बड़े प्याज उत्पादक प्रदेश (देश में कुल 40 प्रतिशत प्याज की आपूर्ति महाराष्ट्र से की जाती है) महाराष्ट्र में किसान प्याज के दाम को लेकर बड़े संकट का सामना कर रहे हैं. वाशी में कृषि उपज बाजार समिति के मुताबिक प्याज-आलू बाजार में प्याज की भारी आपूर्ति से कीमतों में तेजी से गिरावट आई है. बाजार में मंगलवार (29 मार्च) को प्याज-आलू मंडी में करीब 180 वाहन प्याज से लदे नजर आए.

प्याज के दाम गिरकर 8 से 10 रुपये प्रति किलो पर आ गए हैं

थोक बाजार में प्याज के दाम जो 12 से 14 रुपये प्रति किलो के आसपास पहुंच गए थे, वो फिर से 8 से 10 रुपये प्रति किलो पर आ गए हैं. अच्छी आवक से थोक और खुदरा दोनों बाजारों में इसकी कीमतों में गिरावट आई है. व्यापारी ने कहा, ''नए प्याज का वार्षिक सीजन शुरू हो चुका है और आलू का सबसे बड़ा थोक बाजार पिछले सप्ताह आ गया है.'' इस समय बड़े प्याज की कीमत 9-11 रुपये प्रति किलो चल रही है. हालांकि, छोटे वाले लगभग 7-9 रूपय प्रति किलोग्राम की कम कीमत पर उपलब्ध हैं. बता दें कि किसान के खेतों में प्याज की फसल साल में दो बार होती है. प्याज की फसल के साथ ही उम्मीदें भी किसान की बंधी रहती है कि उसकी आमदनी बढ़ेगी. लेकिन किसान के खेत में उगने वाला प्याज किसान के ही आंखों में आंसू ला रहा है.

बुनियादी सवालों से ध्यान भटकाने के लिए सावरकर का मुद्दा उठाया गया - पटोले

मुंबई : भारतीय जनता पार्टी की सरकार के पास देश की जनता के गंभीर सवालों का कोई जवाब नहीं है। केंद्र की मोदी सरकार सभी मोर्चों पर बुरी तरह से विफल रही है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने आरोप लगाया है कि जनता महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त है और भाजपा उनका जवाब नहीं दे सकती इसलिए लोगों के बुनियादी सवालों से ध्यान भटकाने के लिए सावरकर का मुद्दा उठाया गया है।

नाना पटोले ने कहा कि पिछले ९ साल से केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार है लेकिन इस सरकार ने लोगों के कल्याण के लिए कोई काम नहीं किया है। अर्थव्यवस्था पर लगातार बोझ बढ़ता जा रहा है।

महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ दी है। लोगों का जीवन दूभर हो गया है। युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है। किसानों को उनके उत्पादों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। कृषि के लिए आवश्यक सामग्री, खाद, बीज महंगे हो गए हैं। मोदी सरकार इन तमाम मुद्दों को हल करने में फेल साबित हुई है। लोगों के इन बुनियादी मुद्दों पर भाजपा के पास कहने को कुछ नहीं है इसलिए सावरकर के मुद्दे को आगे लाकर जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा ने एक साजिश के तहत राहुल गांधी को बदनाम करने की काफी कोशिशें की लेकिन नाकाम रही। अब भाजपा ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता को रद्द करने के बाद दिल्ली का सरकारी आवास खाली करने को कहा है। इससे पहले गांधी परिवार के खिलाफ 'ईडी' की जांच लगाई गई लेकिन राहुल गांधी पीछे नहीं हटे। नाना पटोले ने यह भी कहा कि देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान खतरे में है। सारी व्यवस्थाएं मोदी सरकार की कठपुतली बन गई हैं। इसके खिलाफ लड़ने की जरूरत है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

दागदार राजनीति

यह स्वागतयोग्य है कि सुप्रीम कोर्ट उस याचिका की सुनवाई करने को तैयार है, जिसमें यह मांग की गई है कि दोषियों को राजनीतिक पार्टी बनाने और किसी दल का पदाधिकारी बनने पर रोक लगाई जाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को शीघ्र सुनने की आवश्यकता नहीं समझी, लेकिन यह आशा की जाती है कि वह उस पर गंभीरता से विचार करने के साथ ही ऐसा कुछ करेगा, जिससे किसी आपराधिक मामले में सजा पाए नेता किसी दल में पद न धारण कर सकें और न ही अपना राजनीतिक दल बनाने पाएं। ऐसी कोई व्यवस्था बनाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि कई ऐसे नेता हैं, जो सजायाफ्ता होने के बाद भी अपने दल में कोई न कोई पद धारण किए रहते हैं अथवा उन्होंने अपने राजनीतिक दल का गठन कर लिया है। यह और कुछ नहीं सजायाफ्ता नेताओं की ओर से पर्दे के पीछे से की जाने वाली राजनीति है। उनकी यह सक्रियता राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के प्रयासों पर पानी फेरने का ही काम करती है।

यह सही है कि ऐसे नेता चुनाव नहीं लड़ सकते, लेकिन वे राजनीति में सक्रिय रहकर उसे प्रभावित करने का काम तो करते ही हैं। ऐसे नेता कई बार दल विशेष के कर्ता-धर्ता बनकर उसकी रीति-नीति तय करने का भी काम करते हैं। इसी तरह वे यह मिथ्या प्रचार करके लोगों की सहानुभूति अर्जित करने की भी कोशिश करते हैं कि उन्हें राजनीतिक बदले की भावना के तहत जानबूझकर झूठे मामले मे फंसाया गया।

सजायाफ्ता नेता ऐसे कुतर्क भी खूब देते हैं कि सबसे बड़ी अदालत जनता है। कई बार वे अदालतों के फैसले को सरकार का फैसला करार देकर भी लोगों को गुमराह करने का काम करते हैं। राहुल गांधी इन दिनों यही कर रहे हैं। उन्हें आपराधिक मानहानि के मामले में सूरत की एक अदालत ने सजा सुनाई है और उसके चलते उन्होंने लोकसभा सदस्यता गंवा दी है, लेकिन वह और उनके साथी यही प्रचारित करने में लगे हुए हैं कि उन्हें सरकार ने सजा दी है, क्योंकि वे उसके विरुद्ध बोल रहे थे।

स्पष्ट है कि वह पीड़ित होने का दिखावा इसीलिए कर रहे हैं, क्योंकि यह जान रहे हैं कि सांसद न रहते हुए भी कांग्रेस की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूमती रहेगी और उन्हें कुछ हमदर्दी हासिल हो जाएगी। कायदे से सजायाफ्ता नेताओं को राजनीति से दूर करने का काम राजनीतिक दलों को ही करना चाहिए, लेकिन वे न तो इसके लिए तैयार हैं और न ही चुनाव आयोग के उस प्रस्ताव को स्वीकार रहे हैं जिसके तहत इस पर बल दिया जा रहा है, जो नेता गंभीर आरोपों से दो-चार हों और जिनके खिलाफ आरोपपत्र दायर हो चुका हो, उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगाई जाए। समझना कठिन है कि राजनीतिक दल इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं?

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मंत्रालय के सामने जहर पीकर आत्महत्या करने का प्रयास

मुंबई : शीतल गाडेकर नामक महिला ने सर जे जे अस्पताल में आखिरी सांस ली। महिला ने सोमवार को मंत्रालय के सामने जहर पीकर आत्महत्या करने का प्रयास किया था। कल उसकी मृत्यु हो गई। मंत्रालय के सामने आत्महत्या की एक नहीं, बल्कि तीन घटनाएं हुई। दो ने विष खा लिया, जबकि एक ने अपने शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ डाल लिया। तीनों ने बयान दिया है कि उन्होंने निराश होकर आत्महत्या का प्रयास किया क्योंकि सरकारी कार्यालयों में उनके काम नहीं हो पा रहे थे। पहली घटना में ६३ वर्षीय महिला शीतल गाडेकर धुले से मुंबई आई थी। उनके पति के नाम पर धुले एमआईडीसी क्षेत्र में नौ बिस्सा का प्लॉट नंबर पी-१६ है। वह २०१० में, तत्कालीन एमआईडीसी अधिकारियों की मिलीभगत से नरेश कुमार माणकचंद मुनोत नामक व्यक्ति के नाम फर्जी नोटरी बनाकर हड़प लिया गया। तत्कालीन एमआईडीसी अधिकारियों ने वैध खरीद पत्र की

बजाय १०० रुपए के स्टैंप पेपर पर नकली हस्ताक्षर किए और महिला के पति रवींद्र गाडेकर की फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी गवाहों के माध्यम से भूखंड का मालिकाना हक स्थानांतरित करवा दिया था, ऐसी शिकायत शीतल गाडेकर ने मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री, मुख्य सचिव सहित कलेक्टर, पुलिस अधिकारियों से की थी और बार-बार पत्र व्यवहार भी किया था। लेकिन किसी ने कोई ध्यान नहीं दिया। महिला ने २७ मार्च को मंत्रालय के सामने आत्महत्या करने की चेतावनी भी दी थी। इसके बाद भी सरकार और पुलिस उदासीन रही। सरकारी कार्यालय में बार-बार टाल-मटोल से निराश शीतल गाडेकर ने कीटनाशक दवा पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। मंत्रालय के सामने पेश होने से आधे घंटे पहले शीतल ने कीटनाशक दवा पी थी, ऐसा निष्कर्ष जांच करने वाले डॉक्टरों ने निकाला है।

नई मुंबई की रहनेवाली संगीता डवरे ने भी कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। नई मुंबई पुलिस बल में कार्यरत उनके पति का कुछ दिनों पहले एक्सीडेंट हो गया था। घायल डवरे का डॉक्टरों ने ठीक से इलाज नहीं किया इसलिए डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने की शिकायत संगीता ने दर्ज कराई थी। संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही थी। इस कारण उसने मंत्रालय के सामने आत्महत्या का प्रयास किया। उनका जे. जे. अस्पताल में इलाज शुरू होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इसी प्रकार पुणे के मावल तालुका के एक दिव्यांग व्यक्ति रमेश मोहिते ने भी मंत्रालय के सामने सड़क पर आत्महत्या का प्रयास किया। दिव्यांगों के लिए अनुदान बढ़ाने की उसकी मांग थी। स्वतंत्र दिव्यांग मंत्रालय की स्थापना हुई, लेकिन सरकार दिव्यांगों की मांगों को नजरअंदाज कर रही है, ऐसा मोहिते का आरोप था। सरकार की ओर से हो रहे अन्याय का खुलासा करने के लिए उसने अपने शरीर पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर खुद को आग लगाने की कोशिश की। पुलिस ने उसे समय रहते हिरासत में ले लिया।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम प्रोफाइल पिक्चर बदलकर सावरकर की फोटो लगाई

मुंबई। राहुल गांधी के सावरकर पर दिए बयान के बाद सियासत तेज हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (एकनाथ शिंदे) ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर विनायक दामोदर सावरकर की फोटो लगाई।

प्रोफाइल पिक्चर बदल कर एकनाथ शिंदे ने राहुल गांधी का विरोध भी किया है और महाराष्ट्र की राजनीति को एक नया मोड़ भी दे दिया है।

अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर प्रोफाइल पिक्चर के रूप में विनायक दामोदर सावरकर की फोटो प्रोफाइल पिक्चर के रूप में देखी जा सकती है। एकनाथ शिंदे ने यह भी कहा कि वह महाराष्ट्र में 'सावरकर गौरव यात्रा' आयोजित करेंगे।

महिलाओ के हमलावरों पर मामला दर्ज

पवई पुलिस आरोपियों की तलाश में

मुंबई। पवई स्थित हीरानंदानी मार्केट के ज्वेल फास्ट फूड होटल में काम करने वाली महिलाओ पर जानलेवा हमला करने वालो पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।गोवंडी निवासी नीलोफर व उसके अन्य साथियो का गंभीर हालत में इलाज शुरू है।

गौरतलब है की पवई के हिरानंदनी मार्केट में जेवेल फास्ट फूड नाम का एक होटल है जो की न्यूटन जोसवा और उसके मामा की साझेदारी में चलता है। इस होटल में हाउसकीपिंग का काम गोवंडी निवासी नीलोफर नामक महिला करती है।

दो दिन पहले किसी बात को लेकर मामा भांजे में विवाद हुआ। जिसके चलते न्यूटन जोसवा ने अपने 20-25 पालतू लोगो को बुलाकर मारपीट शुरू की जिसमे नीलोफर व उसकी दूसरी साथी कमरुनिशा, शायरा खान नामक महिला साथी भी गंभीर घायल हो गए। नीलोफर को इन महिला व पुरुष गुंडों ने इतनी पिटाई की है की उसे 12 टाँके लग गए है।

पवई पुलिस ने कड़ी मेहनत के बाद आरोपी न्यूटन जोसवा,संजीवनी गायकवाड़,सोनाली,अप्पू बिहारी व अन्य के खिलाफ 452,354,323,324,504, 143,144,147,149 के तहत मामला दर्ज किया है।

लेकिन घटना के तीन दिन बाद भी किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। पीडितो का कहना है की इस मामले में पवई पुलिस की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। मामले की जांच चल रही है।

डॉक्टर बना हैवान, लैपटॉप में रखे 80 महिला मरीजों के अश्लील वीडियो, क्लिप हुए वायरल...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के कोल्हापुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसके बारे में जानकर आप भी दंग रह जाएंगे। दरअसल एक डॉक्टर ने इलाज के लिए अपने पास आने वाली महिलाओं के बेहद अश्लील वीडियो बनाए हैं और एक हैरानी वाली यह भी जानकारी सामने आई है कि यह डॉक्टर फर्जी है। यह घटना कोल्हापुर के मुरगुड में

हुई है। यह डॉक्टर इलाज के लिए अपने अस्पताल में आने वाली महिलाओं के साथ अश्लील हरकतें करता था। इसके बाद वह वीडियो क्लिप बनाता था। ये सारे वीडियो उसने अपने लैपटॉप में स्टोर कर रखे थे। लेकिन उसने अपना लैपटॉप ठीक करने के लिए दिया और इस घटना का खुलासा हुआ। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लैपटॉप को सुधारना के लिए भेजे जाने के बाद ही इस लैपटॉप में महिलाओं के सत्तर से अस्सी वीडियो क्लिप वायरल हुए हैं।

माफिया से सांसद और विधायक बनने के बाद फिर कैदी

नई दिल्ली। पहले माफिया फिर विधायक और सांसद से अब कैदी बन चुके अतीक अहमद को 44 सालों में पहली बार सजा सुनाई गई है। साल 1979 से अतीक ने अपराध की दुनिया में कदम रखा, तब से लेकर आज तक अतीक अहमद के खिलाफ 101 मुकदमे दर्ज हुए हैं, जिनमें 57 मुकदमों की सुनवाई चल रही है।

17 साल पहले पड़ी घटना की नींव

साल 2006 में हुए उमेश पाल के अपहरण के मामले में दोषी साबित अतीक अहमद को आज एमपी/एमएलए कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह माफिया की पहली सजा है। इसके पहले किसी भी मुकदमे में अतीक को सजा नहीं हो सकी थी। अधिकतर मुकदमों में गवाह बनाए गए लोग अपने बयानों से मुकर गए या मार दिए गए या फिर गवाही देने कोर्ट ही नहीं पहुंच पाए।

कैसे और कब हुई अतीक अहमद की गिरफ्तारी?

गुंडागर्दी और राजनीति से अपना रसूख बना चुके अतीक अहमद की प्रयागराज में तूती बोलती थी। हालात यह थे कि अतीक के नाम रंगदारी, वसूली का खेल भी चलने लगा था। अतीक के नजदीकी लोग अपनी पहुंच का फायदा उठाकर वे काम भी करने लगे थे, जो कि नियमों को तोड़ने वाले हुआ करते थे।

कॉलेज में काटा था बवाल

साल 2016 और महीना जून का था। उस समय सैम हिगिन बाटम इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज (शियाट्स) कॉलेज में सेमेस्टर परीक्षाएं चल रही थीं। परीक्षा के दौरान बीटेक के दो छात्र मो. सैफ सिद्दिकी व शाबिक अहमद नकल करते पकड़े गए, जिसके कारण इन दोनों पर कार्रवाई की गई।

इससे नाराज दोनों छात्रों ने साथियों के साथ 22 नवंबर 2016 को शियाट्स परिसर में ही कॉलेज के प्रोफेसर तेजस जैकब की पिटाई कर फायरिंग की। मामले में नैनी कोतवाली में सैफ व शाकिब के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई और शियाट्स प्रशासन ने छात्रों को संस्थान से निकाल दिया।

सीसीटीवी फुटेज से सामने आया असली चेहरा

ये दोनों ही छात्र अतीक के जानने वाले थे। कॉलेज की कार्रवाई की भनक अतीक को लगी तो वह आग बबूला हो उठा और 14 दिसंबर को अपने लाव-लश्कर के साथ कॉलेज परिसर में पहुंच बलवा काट दिया। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने सीसीटीवी फुटेज जारी कर दी, जिससे अतीक का असली चेहरा सबके सामने आ गया। इस समय अतीक को सपा का टिकट भी मिल चुका था, लेकिन समय बीतने के साथ जब अतीक का नाम गुंडों की लिस्ट में ऊपर आने लगा तो अखिलेश यादव ने अतीक का टिकट काट दिया।

दुष्कर्म पीड़िता अपने बयानों से मुकरी

फिर भी आरोपी को मिली 10 साल की सजा

थाणे (मुंबई) । पीड़िता के दुष्कर्म के आरोपों से मुकरने के बावजूद महाराष्ट्र की एक जिला अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराया है। अदालत ने गवाहों और मेडिकल जांच के सबूतों के आधार पर आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई है। 42 साल के अंकल पर अपनी ही 18 साल की भतीजी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। जिला एवं सत्र न्यायालय की न्यायाधीश रचना तेहरा ने आरोपी पर 6 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।

क्या है पूरा मामला?

अतिरिक्त लोक अभियोजक विनीत ए कुलकर्णी ने अदालत को बताया कि 18 साल की पीड़िता अनाथ है और थाणे के मुंब्रा स्थित एक अनाथालय में रह रही थी।

बाद में पीड़िता को उसके चाचा के घर भेज दिया गया जहां, अक्टूबर 2019 में उसके साथ दुष्कर्म हुआ। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि उसके चाचा उसे बार-बार छूते थे और अभद्रता करते थे। उसके साथ जबरन दुष्कर्म भी किया गया। साथ ही घटना के बारे में किसी को भी कुछ न बताने की धमकी दी।

पीड़िता ने अपनी सहेली को सुनाई आपबीती

पीड़िता ने अपनी सहेली और अनाथालय के अधिकारियों को सबकुछ बताया, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान चार गवाहों को अदालत में पेश किया गया लेकिन बाद में पीड़िता अपने बयानों से मुकर गई।

अदालत ने सबूतों के आधार पर सुनाया फैसला

पीड़िता के मुकरने के बावजूद अदालत ने सबूतों के आधार पर आरोपी को 10 साल की जेल की सजा और 6 हजार का जुमार्ना लगाया। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार के लिए सजा) और 354 (महिला का शील भंग करने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग) के तहत आरोपी को दोषी ठहराया।

छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में भजन गायक गिरफ्तार

बोरीवली जीआरपी ने विरार से किया गिरफ्तार, छात्रा को जबरन किश करने व गले लगाने की कर रहा था कोशिश.

मुम्बई। बोरीवली रेलवे स्टेशन पर परीक्षा देने जा रही छात्रा के साथ हुई छेड़छाड़ की गुत्थी को मुम्बई जीआरपी पुलिस ने सुलझा लिया है. इस मामले में जीआरपी ने एक भजन गायक को विरार के फूलपुर इलाके से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार किए गए भजन गायक बोरीवली इलाके में एक भजन के कार्यक्रम से विरार लौट रहा था.

जीआरपी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल कदम के अनुसार 26 मार्च को सुबह करीब 6 बजे परीक्षा देने जा रही 19 वर्षीय छात्रा के साथ बोरीवली स्टेशन पर आरोपी भजन गायक ने छेड़छाड़ की. गायक ने शराब के नशे में छात्रा के साथ जबरन किश करने और उसे गले लगाने की कोशिश कर रहा था. उस समय छात्रा परीक्षा देने चली गई लेकिन जब लौटी तो अपने परिजन के साथ छात्रा ने इसकी शिकायत बोरीवली जीआरपी पुलिस से की. शिकायत के बाद जीआरपी पुलिस ने छेड़छाड़ का केस दर्ज करते हुए आरोपी की तलाश शुरू की.जांच के दौरान सीसीटीवी सर्विलांस से मिले सुरागों के आधार पर आरोपी भजन गायक को पालघर जिले के विरार इलाके से गिरफ्तार कर लिया.

अनिल कदम (सीनियर इंस्पेक्टर बोरीवली जीआरपी) के मुताबिक आरोपी गायक ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल लिया है. छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने के बाद फरार हो गया था

घाटकोपर हिंगवाला लेन के फेरीवालों में फैला आक्रोश

मुंबई। घाटकोपर पूर्व स्थित हिंगवाला लेन स्थित महाराष्ट्र फेरी विक्रेता संघ के कार्यालय को हड़पने का प्रयास शुरू है।जिसके खिलाफ दर्जनों शिकायत के बाद स्थानीय पुलिस अब इस मामले की जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घाटकोपर पूर्व स्थित हिंगवाला लेन में 60 वर्ष पहले सब्जी व फल बेचने वाले सैकड़ो लोगो ने अपना अपना धंधा लगाना शुरू किया था।रामश्याम भेलपुरी हाउस के सामने स्थित सार्वजनिक बावड़ी (कुंआ) के पास उक्त फेरी वालो ने अपना एक 12.11 कार्यालय बनाया था।महाराष्ट्र फेरी विक्रेता मंच के रूप में उक्त कार्यालय का रजिस्ट्रेशन भी हुआ था। उसके बाद मंच को संघ में बदला गया।

इसके अध्यक्ष का कार्यभार यहां के मदनलाल केदारनाथ गुप्ता के पास है। श्री गुप्ता ने हमें बताया की अब उक्त कार्यालय की जगह को मुंबई के 'दि जैन एजुकेशन सोसायटी ट्रस्ट' के माध्यम से हड़पने का प्रयास शुरू है। बताया जाता है की उक्त स्थल का पहले गांधीजी की छावनी नाम था।

रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगे इतने लाख, 7 आरोपी फरार

कल्याण : एक किसान के बेटे की रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 6 लाख 85 हजार की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया हैं। पीड़ित किसान दीपक भोईर की शिकायत के बाद कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस ने 7 आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आगे इस मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कल्याण के वडवली आबिवली गणेश मंदिर परिसर निवासी किसान दीपक भोईर ने खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि उसके बेटे की रेलवे में नौकरी दिलाने का झांसा देकर मुख्य आरोपी भूमि सालुंखे उर्फ रेखा पारधी, अक्षय सालुंखे उर्फ अक्षय पारधी निवासी रौनक सिटी कल्याण पश्चिम और उसके साथी पूजा कुमारी, रानी कुमारी, लक्ष्मीबाई, जयप्रकाश सिंह और संजय नामक व्यक्ति ने मिलकर जून 2022 में अलग-अलग बैंक खातों में 6 लाख 85 हजार रुपये लिए और नकली ज्वाइनिंग लेटर और अन्य कागजात देकर धोखाधड़ी की।

पुलिस मामले की जांच कर रही है

नौकरी नहीं मिलने पर ठगे जाने का अहसास होने पर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। खड़कपाड़ा पुलिस ने ऊक्त सातों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीकृत कर आगे की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। समाचार लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

31 मार्च से 30 अप्रैल तक पूरी मुंबई और ठाणे में 15% पानी कटौती....

मुंबई: ठाणे में वॉटर टनल के लीकेज के कारण करीब पांच महीने से प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा था। आखिरकार, बीएमसी ने अब उस लीकेज की मरम्मत करने का फैसला किया है। इस कारण 31 मार्च से 30 अप्रैल तक पूरे मुंबई में 15 फीसदी पानी की कटौती होगी। बीएमसी हाइड्रोलिक डिपार्टमेंट के अधिकारी के मुताबिक, मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली वॉटर टनल में ठाणे में बोरवेल के लिए खुदाई के दौरान लीकेज हो गया है। इस लीकेज की मरम्मत का काम 31 मार्च से शुरू किया जाएगा, जो अगले 30 दिन तक चलेगा, इसलिए मुंबई शहर, पूर्वी उपनगर और पश्चिम उपनगर में इस दौरान 15 फीसदी पानी की कटौती रहेगी। साथ ही ठाणे शहर में भी यह कटौती लागू होगी। बीएमसी अधिकारी ने बताया कि मुंबई शहर और उपनगरों को आपूर्ति किए जाने वाले कुल पानी का लगभग 65 फीसदी पानी भांडुप वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से किया जाता है। इस प्लांट को 75 प्रतिशत जलापूर्ति 5,500 मिमी व्यास की 15 किमी लंबी वॉटर टनल के माध्यम से होती है।

वॉटर टनल क्षतिग्रस्त

बताया गया है कि ठाणे में बोरवेल खोदने के कारण यह वॉटर टनल क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके कारण बड़ी मात्रा में पानी का लीकेज हो रहा है। पानी के लीकेज की मरम्मत करने के लिए पानी की सुरंग को पूरी तरह से बंद करना आवश्यक है और इस दौरान पानी को वैकल्पिक चैनलों के माध्यम से भांडुप वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। मुंबई में मुलुंड ऑक्ट्रोई चेकपोस्ट के पास सोमवार दोपहर एक जल पुलिया के निर्माण के दौरान एक प्रमुख जल मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई और फट गई। इससे पानी आपूर्ति करने वाली 2,345 मिमी मुंबई-2 मेनलाइन प्रभावित हो गई। लाखों लीटर कीमती पेयजल वहां से बहकर गटर में बह गया, जिससे आसपास के कुछ निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। जिसके बाद बीएमसी ने 29 मार्च तक शहर के लगभग आधे हिस्से में 15 प्रतिशत पानी की कटौती करने का ऐलान किया था। जिसमें दक्षिण मुंबई के अधिकांश हिस्से और पूर्वी उपनगर शामिल हैं।

महाराष्ट्र के मंत्री का बड़ा दावा!

'उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने के लिए फडणवीस-शिंदे के साथ की 150 बैठकें

महाराष्ट्र : स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में सरकार बदलने की प्रक्रिया देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर शुरू हुई थी. महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-एनसीपी-कांग्रेस सरकार जून 2022 में शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे के विद्रोह के बाद गिर गई, जिन्होंने बीजेपी नेता फडणवीस के साथ मिल कर नयी सरकार बनायी थी. सावंत ने उस्मानाबाद में संवाददाताओं से कहा, ''हम (शिंदे खेमे के शिवसेना नेता) और देवेंद्र जी ने बैठकें कीं.

'टश्अ सरकार को गिराने के लिए कई बैठकें की'

मैंने और वर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दो साल की अवधि में (ठाकरे सरकार को गिराने के लिए) 100 से 150 बैठकें कीं.'' सावंत ने कहा, ''देवेंद्र फडणवीस के आदेश पर शिवसेना और बीजेपी उस्मानाबाद जिला परिषद में एक साथ आए...यह वहीं से शुरू हुआ.'' उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिराने के लिए शिवसेना के विधायकों को मनाने के लिए बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना के एकांत शिंदे के साथ लगभग 100 से 150 बैठकें हुईं, शिवसेना के राज्य स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत ने ये जानकारी दी है.

नाराज थे सावंत?

सावंत ने कहा कि चूंकि उद्धव ने उन्हें 2019 में कैबिनेट में जगह नहीं दी, इसलिए वह नाराज हो गए और उन्होंने फडणवीस के आदेश पर जनवरी 2020 में राज्य में पहला विद्रोह शुरू कर दिया. ''ठाकरे ने 2019 के लोकसभा चुनावों में लोगों द्वारा दिए गए जनादेश को खारिज कर दिया. 30 दिसंबर, 2019 को कैबिनेट का विस्तार किया गया. ठाकरे ने मुझे फिर से बाहर रखा. फडणवीस के आदेश पर 3 जनवरी, 2020 को राज्य में पहला विद्रोह हुआ. हमने धाराशिव (उस्मानाबाद) जिला परिषद में शिवसेना-बीजेपी गठबंधन बनाया. मैंने एमवीए सरकार को गिराने के लिए दो साल तक काम किया. फडणवीस और एकनाथ शिंदे के साथ लगातार बैठकें हुईं. सावंत ने कहा, ''इस दो साल की अवधि के दौरान, मैंने विदर्भ, मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के विधायकों से मुलाकात की. मैंने उन्हें सब कुछ समझाया और उनका मन बदल दिया... मैंने पहले फडणवीस के आदेश पर विद्रोह किया, यह एक सच्चाई है.''

अवैध रेत खनन!

पालघर जिले में रेल पुल की सुरक्षा को खतरा, दो के खिलाफ मामला दर्ज

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में वैतरणा नदी से रेत की अवैध निकासी से वैतरणा और सफाले स्टेशनों के बीच बने रेल पुल की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मांडवी पुलिस थाने में दो लोगों के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 151 (रेलवे संपत्तियों को नुकसान या नष्ट करना), भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और अवैध रेत खनन के लिए पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया, सोमवार को पुल के निरीक्षण के दौरान, पुलिस ने पाया कि एक सक्शन पंप की सहायता से वैतरणा नदी से रेत निकाली जा रही थी। पंप, पास में ही एक नाव पर रखा था। रेत को इकट्ठा कर उसका ढेर लगाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सक्शन पंप और नाव को नष्ट कर दिया। प्राथमिकी में कहा गया है, रेत की अवैध निकासी ने वैतरणा नदी पर बने रेलवे पुल को असुरक्षित बना दिया है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाया है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com